DELHI PUBLIC SCHOOL, PALI

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2020 – 2021

CLASS: VII

SUBJECT: SANSKRIT

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जुलाई **कालांश** –	कारक	1) लेखन कौशल का विकास 2)अभिव्यक्ति काविकास	1)कारको के द्वारा वाक्य रचना करना सिखाना।	कारक आधारित वाक्य निर्माण। MUL-REL	1) लेखन कौशल का विकास होगा। 2)अभिव्यक्ति काविकास होगा। 3)संस्कृत वाक्य निर्माणकरना सीखेंगे।	अभ्यास कार्य
	1) सुभाषितानि	1)अभिव्यक्ति काविकास 2)संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना। 3)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना। 4)संस्कृत विषय में रुचि जागृत	1)कारको के द्वारा वाक्य रचना करना सिखाना। 2) सज्जनों के साथ संगति करने की सीख देना। 3)जल,अन्न, मधुर वचन, क्षमा व सत्य के महत्त्व से परिचित कराना।	**गतिविधि 1**)पी पी टी कारक आधारित एवं वाक्य निर्माण।**PRE-MUL-REL** **गतिविधि 2)** श्लोकों का सस्वर गायन श्लोकानुवाद एवं व्याख्या **MUL-REL** **गतिविधि 3)** निम्नलिखित क्रियापदों के धातु लिखिए– कर्तव्यः , पश्य , भवेत् , स्थितः **MUL-REL** **गतिविधि 4)** निम्नलिखित शब्दों को लिंगानुसार विभक्त	1)संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास होगा। 2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम होंगे। 3)संस्कृत विषय में रुचि जागृत होगी। 4)क्रियाओं के मूल धातु से परिचित होंगे। 5)विभिन्न शब्दों के लिंग पहचानकर उनका वर्गीकरण करने में सक्षम होंगे।	श्लोकों से मिलने वाली सीख के द्वारा

		करना। 5)क्रियाओं के मूल धातु से परिचित कराना। 6)विभिन्न शब्दों के लिंग पहचानकर उनका वर्गीकरण करने में सक्षम बनाना।	4)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	कीजिए–रत्नानि, वसुन्धरा, सत्येन, सुखी, अन्नम्, वह्नि, रविः, पृथ्वी, संगतिम् **MUL-REL** गतिविधि 4 श्लोकों से मिलने वाली सीख को अपने शब्दों में लिखिए। **MUL-REL-EXT**	6)विश्लेषण कौशल का विकास होगा। 7)सज्जनों के साथ संगति करने की सीख से परिचित होंगे। 8)जल,अन्न, मधुर वचन, क्षमा व सत्य के महत्त्व से परिचित होंगे। 9) श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित होंगे।	
	2) दुर्बुद्धिः विनश्यति **व्याकरण**– किम् शब्द रूप (पुलिंग,स्त्रीलिंगमें)	**1** वाचन कौशल का विकास करना। **2**सरल संस्कृत प्रश्नों के उत्तर स्वविवेक से लिखने की क्षमता का विकास करना । **3** लंग लकार का अभ्यास कराना। 4 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास करना। **5** संस्कृत शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना।	**1** पंचतंत्र की जानकारी देकर आज उसकी प्रासंगिकता बताना। 2 मित्रों की सही सलाह को मानना चाहिए।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2 पाठ का अनुवाद **MUL-REL** गतिविधि– 3 प्रश्नोके उत्तर लेखन **MUL-REL** गतिविधि–4 चित्रकथा निर्माण **MUL-REL-EXT**	**1** वाचन कौशल का विकास होगा। **2** सरल संस्कृत प्रश्नों के उत्तर स्वविवेक से लिखने की क्षमता का विकास होगे । **3** लंग लकार का अभ्यास होगा। 4 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास होगा। **5** संस्कृत शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम होंगा। **6** पंचतंत्र की प्रासंगिकता को समझेंगे। 7 मित्रता के महत्त्व को जानेंगे।	प्रश्नोत्तरके द्वारा

अगस्त **कालांश**	3) स्वावलंबनम्	1 तद् ,एतद शब्दों से परिचित कराना। 2 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करने की क्षमता का विकास करना। 3 भूतकाल का अभ्यास कराना। 4 संख्यावाचक शब्दों से परिचय कराना। 5 स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास करना। 6 कठिन शब्दों के अर्थ जानना। 7 ऋतुओं और महीनों के नामों से परिचित कराना।	**1** स्वावलंबन के गुण को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना। **2** आत्मनिर्भरता के लाभों से अवगत कराना। 3 समय का महत्त्व जानना। 4 दिनचर्या निर्धारित करना।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन –2 पाठ का अनुवाद **MUL-REL** गतिविधि– 3 प्रश्नोके उत्तर लेखन **MUL-REL** गतिविधि 4 चित्र के अनुसार संख्यावाचक पद लिखिए **MUL-REL** गतिविधि 5समयानुसार अपनी दिनचर्या बनाइए एवं कक्षा में सुनाइए। **UNI-MUL-REL**	1 तद् ,एतद शब्दों से परिचित होंगे। 2 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करने की क्षमता का विकास होगा। 3 भूतकाल का अभ्यास होगा। 4 संख्यावाचक शब्दों से परिचय होंगे। 5 स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास होगा। 6 कठिन शब्दों के अर्थ को जानेंगे। 7 ऋतुओं और महीनों के नामों से परिचित होंगे। 8 स्वावलंबन के गुण को आत्मसात करने के लिए प्रेरित होंगे। 9आत्मनिर्भरता के लाभों से अवगत होंगे। 10 समयानुसार कार्य करने का प्रयास करने लगेंगे।	समयानुसार अपनी दिनचर्या बनाइए एवं कक्षा में सुनाइए। के द्वारा
	4)हास्यबालकविसम्मेलनम् **व्याकरण**– लङ लकार	1) अव्यय शब्दों से परिचय करवाना। 2) वाचन व श्रवण में निपुण बनाना 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचय	1) तार्किक चिंतन के लिए प्रेरित करना । 2)जीवन में हास्य के पुट का समावेश करना ।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2 पाठ का अनुवाद **UNI-MUL** 3) दिए गए अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए –अंतः , बहिः ,उपरि ,अधः ,अलम् **MUL-REL** 4)कुछ संस्कृतहास्य गोलकों का	1) अव्यय शब्दों से परिचित होंगे। 2)वाचन व श्रवण में निपुण बनेगे। 3)संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचय होंगे । 4) जीवन में हास्य के महत्त्व को जानेंगे।	अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग के द्वारा

		करवाना 4) चित्र वर्णन करना सिखाना ।		संग्रहकरना/(सुनाना शिक्षकों द्वारा) **UNI-MUL**		
सितंबर **कालांश**	5) विश्वबंधुत्वं **व्याकरण** – चित्रवर्णन अपठितबोध अनुच्छेद लेखन	1) शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण करने का अभ्यास कराना। 2) नवीन शब्दों के अर्थ से परिचित कराना। 3) विलोमशब्दों से परिचित कराना। 4) समानार्थक शब्दों से परिचित कराना। 5) वाक्यों के शुद्धीकरण का अभ्यास कराना। 6) मानचित्र–कार्य का अभ्यास कराना।	1) विश्वबंधुत्व की आवश्यकता व महत्त्व से परिचित कराना। 2) सभी के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित करना। 3) पाठ की सीख को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि (1) मानचित्र–कार्य भारत के पड़ोसी देशों को दर्शाना।**MUL-REL** गतिविधि (2) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लेखन–स्वकीयम् अवरुद्धः , कुटुंबकम् , अन्यस्य **UNI**	1)शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण करने का अभ्यास होगा। 2)नवीन शब्दों के अर्थ से परिचित होंगे। 3)विलोम शब्दों से परिचित होंगे। 4)समानार्थक शब्दों से परिचित होंगे। 5) वाक्यों के शुद्धीकरण का अभ्यास होगा। 6)मानचित्र–कार्य का अभ्यास होगा। 7) विश्वबंधुत्व की आवश्यकता व महत्त्व से परिचित होंगे। सभी के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित होंगे। पाठ की सीख को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित होंगे।	मानचित्र–कार्य के द्वारा
अक्टूबर	**पुनरावृत्ति**					
नवम्बर **कालांश** –	1) त्रिवर्णः ध्वजः	1)आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन । 2)प्रश्न निर्माण करना सिखाना । 3)रंग के विषय में जानकारी देना । 4)नवीन शब्दों से	1)राष्ट्रीय प्रतिकों के प्रति सम्मान की भावना का विकास करना । 2)राष्ट्रध्वज में निहित संदेश को समझाना।	1)राष्ट्र ध्वज में निर्दिष्ट प्रत्येक रंगों व चक्र का महत्त्व बताना । **UNI -MUL** 2)ध्वज निर्माण करना । **UNI** 3)राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों की सूची तैयार करना **UNI-MUL-REL**	1) आवाज के उतार चढ़ाव के साथ वाचन करना सिखेंगे। 2)प्रश्न निर्माण करना सीखा । 3)ध्वज के रंगों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। 4)संस्कृत के कुछ नवीन शब्दों से परिचित होंगे । 5)राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों के प्रति	राष्ट्र ध्वज में निर्दिष्ट प्रत्येक रंगों व चक्र का महत्त्व के द्वारा

		परिचित कराना ।			सम्मान की भावना का विकास होगा ।	
	2)अहमपि विद्यालयं गमिष्यामि **व्याकरण**–शब्दरूप–अस्मद्	(1) आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन । (2) संवाद कौशल से परिचित कराना। 3) प्रश्न निर्माण करना सिखाना 4) नवीन शब्दों से परिचित कराना ।	**1** संवेदना जाग्रत करना। (2)शिक्षा सभी का मौलिक अधिकार है, तथ्य से अवगत कराना। 3) सर्व शिक्षा की और ध्यान आकर्शित कराना। 4) बाल श्रम समस्या से अवगत कराना। 5) समानता की भावना का संदेश देना।	गतिविधि– (1) 1 पाठ (पद्य) का वाचन 2 पाठ (पद्य) अनुवाद **UNI** गतिविधि– (2) विशेषणपदैः सह विशेष्यपदानि योजयत– **REL** (3) रेखांकित पदो ंके आधार पर प्रश्न निर्माण करना–**UNI-REL** गतिविधि– (4) पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तर लिखने हेतु दिए जाएँगे। **UNI-REL**	1प्रश्न निर्माण करना सीखेंगे । 2) नवीन शब्दों से परिचित होगे। 3) संवेदना जाग्रत होगी। (4)शिक्षा सभी का मौलिक अधिकार है, तथ्य से अवगत होंगे। 5) सर्व शिक्षा की और ध्यान आकर्शित होंगे। 6) बाल श्रम समस्या से अवगत होंगे । 7) समानता की भावना का संदेश प्राप्त होगा।	विशेषणपदैः सह विशेष्यपदानि योजयत– – के द्वारा
दिसम्बर **कालांश**	3)समवायो हि दुर्जयः	1)विषयवस्तु को एकाग्रतापूर्वक सुनने का अभ्यास कराना। 2) सुनकर अर्थग्रहण करने में सक्षम बनाना। 3)कहानी का लघुनाटिका के रूप में प्रस्तुतीकरण करना सिखाना। 4)प्रश्न निर्माण का अभ्यास कराना।	1)मित्र की सहायता करने की सीख देना। 2)समूह के महत्त्व व शक्ति से परिचित कराना।	1) पाठ को पढ़कर/कहानी के रूप में सुनाकर उसपर आधारित प्रश्न दिए जाएँगे। **UNI-REL** पाठ का वाचन व अनुवाद 2) प्रश्न निर्माण–(लिखित) **UNI-REL** 3) 'स्म' का प्रयोग **UNI-REL** 4) कहानी का नाट्य–मंचन **MUL-REL-EXT** 5) कहानी की कौन–कौन सी सीख को आप अपने जीवन में उतारना चाहेंगे? **REL**	1) विषयवस्तु को एकाग्रतापूर्वक सुनने का अभ्यास होगा। 2)सुनकर अर्थग्रहण करने में सक्षम बनेंगे। 3)कहानी का लघुनाटिका के रूप में प्रस्तुतीकरण करना सिखेंगे। 4)प्रश्न निर्माण का अभ्यास होगा। 5)स्म के प्रयोग से परिचित होंगे। 6)मित्र की सहायता करने की सीख से परिचित होंगे। 7)समूह के महत्त्व व शक्ति से	प्रश्न निर्माण के द्वारा

		5)स्म के प्रयोग से परिचित कराना।			परिचित होंगे।	
	4) अमृतं संस्कृतम् **व्याकरण**–शब्दरूप–युष्मद्	1) आवाजके उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सिखाना । 2) इकारांत स्त्रीलिंग शब्द रूप का प्रयोग करना सिखाना । 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचय करवाना। 4) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से संस्कृत का जननी –पुत्री संबंध बताना ।	1) संस्कृत भाषा के गौरव व महत्त्व से परिचय करवाना । 2) भारतीय साहित्य में व्याप्त विशेषताओं को बताना ।	1) पाठ से " पाँच " इकारांत स्त्रीलिंग शब्दों को छांटकर उनके शब्द रूप लिखिए । **REL** 2) भारतीय संस्कृत साहित्य में किन–किन विषयों का वर्णन हुआ है ? **MUL-REL** 3)हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होने वाले संस्कृत भाषा के तद्भव रूपों को लिखिए –**MUL-REL**	1) आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सीखेंगे। 2) इकारांत स्त्रीलिंग शब्द रूप का प्रयोग करना सीखेंगे। 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचित होंगे। 4) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से संस्कृत के जननी –पुत्री संबंध को जानेंगे। 5) संस्कृत भाषा के गौरव व महत्त्व से परिचित होंगे। 6) भारतीय साहित्य में व्याप्त विशेषताओं को जानेंगे।	संस्कृत भाषा के तद्भव रूपों के द्वारा
जनवरी **कालांश** –	5) अनारिकायाः जिज्ञासा	1) ऋकारांत पुँल्लिंग शब्द रूप से परिचय करवाना । 2) चित्र वर्णन सिखाना ।	1) अपने आसपास के वातावरण के प्रति जागृति उत्पन्न करना । 2) अवलोकन क्षमता का विकास करना । 3) तार्किक चिंतन कौशल का विकास	1) ऋकारांत पुलिंग शब्दों के निर्देशानुसार रुप लेखन–– PRE- **UNI-REL** 2) चित्र का उचित शब्द प्रयोग के द्वारा वर्णन । **MUL-REL**	1) अपने आसपास के वातावरण के प्रति जागृति उत्पन्न होगी । 2) अवलोकन क्षमता का विकास होगा । 3) तार्किक चिंतन कौशल का विकास होगा। 4) ऋकारांत पुँलिंग शब्द	ऋकारांत पुलिंग शब्दों के रुप के द्वारा

					सेपरिचित होंगे । 5) चित्र वर्णन करना सीखेंगे।	
	6) श्लोकाः **व्याकरण** –लोट् लकार	1)संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना। 2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना।	1)सत्य व परोपकार का महत्त्व समझाना। 2)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि– 1 पद्य का वाचन 2 पद्य का अनुवाद PRE-MUL गतिविधि 3प्रश्न निर्माण। MUL-REL	1) श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम हुए। 2) संस्कृत विषय में रुचि जागृत हुई। 3) श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित हुए।	प्रश्नों के द्वारा
फरवरी **कालांश** –	7) लालनगीतम् **व्याकरण**–चित्रवर्णन अपठितबोध संवाद लेखन	1) स्वविवेक से संस्कृत वाक्य रचना करना सिखाना। 2) संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास। 3) ध्यानपूर्वक सुनना। 4) अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास। **5)**संस्कृत में पशु–पक्षी के नामों की जानकारी देना।	1) प्रकृति से कार्य समय पर करने की सीख लेना। 2) प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द लेना।	(1) लालनगीतम् का अर्थ समझाना। (2) 1 पाठ (पद्य) का वाचन 2 पाठ (पद्य) का अनुवाद **UNI-MUL** (3) चित्र को देखकरसंस्कृत में वाक्य निर्माण करना। **MUL-REL** (4) पशु–पक्षी के नामों की वर्ग पहेली बनाना व चित्र वर्णन के वाक्य निर्माण में भी जोड़ना। **MUL-REL**	1 स्वविवेक से संस्कृत वाक्य रचना करना सीखेंगे। 2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास होगा। 3 ध्यानपूर्वक सुनने लगेंगे। 4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास होगा। **5** संस्कृत में पशु–पक्षी के नामों से परिचित होंगे। 6 प्रकृति से कार्य समय पर करने की सीख प्राप्त होगी। 7 प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द लेना सीखेंगे।	चित्र को देखकर संस्कृत में वाक्य निर्माण कीजिए। के द्वारा
मार्च **कालांश**	**पुनरावृत्ति**			II TERM END EXAMINATION		